हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 113 देहरादून, बुधवार, 19 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

पुलिस परिवार के उपवा दीवाली मेला के उद्देश्य की गीता धामी ने की तारीफ़ 3

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

7 लोगों की मौत, हेलीकॉप्टर में सवार यात्री गुजरात और तमिलनाडु के

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग, 18 सितंबर। केदारनाथ में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हादसे में पायलट सहित सात लोगों की मौत हो गई है। यहां बारिश और बर्फबारी के बीच रेस्क्यू कार्य किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हादसे पर दुख जताया है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना पर संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

सीईओ यूकाडा सी रविशंकर ने जानकारी दी कि हादसा accident) मंगलवार सुबह 11:40 बजे हुआ है। मृतकों में तीन यात्री गुजरात और तीन यात्री तमिलनाडु के हैं। पायलट मुंबई के रहने वाले हैं। डीजीसीए और केंद्र को हादसे को जांच सौंपी जाएगी। प्राइवेट हेली सेवा की जांच होगी। केदारनाथ में श्रद्धालुओं को ले जा रहे हेलिकॉप्टर के क्रैश की घटना बहुत दुःखद है। इस दुर्घटना में जान गवाने वाले सभी लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ। ईश्वर उन्हें यह दुःख सहने की शक्ति दें।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने जताया शोक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज केदारनाथ से वापस आ रहे हेलीकॉप्टर के गरुड़ चट्टी के समीप दुर्घटनाग्रस्त होने पर दुख व्यक्त करते हुए हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को केदारनाथ से वापस आ रहे आर्यन कंपनी के हेलीकॉप्टर के गरुड़ चट्टी के समीप दुर्घटनाग्रस्त होने पर दुख व्यक्त करते हुए इस हृदय विदारक हादसे पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ की टीम ने हादसे में मारे गए हेलीकॉप्टर के पायलट सहित सभी 7 लोगों के शवों को निकाल लिया है।उन्होंने कहा कि यह हादसा तकनीकी खराबी, हवा में दबाव कम होने या जिस भी वजह से हुआ है इस बात की जांच की जाएगी। यह जांच के बाद ही पता चलेगा कि हादसे के क्या कारण रहे हैं। महाराज ने हेलीकॉप्टर हादसे में मृतक सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति भी अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है।

हेली हादसे पर जिलाधिकारी स्तर की जॉच : सी.रविशंकर, सीईओ, उड्डयन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। अपर सचिव तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी उड्डयन सी.रविशंकर ने हेलीकॉप्टर हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहे आर्यन एविएशन हेलीकॉप्टर कंपनी के हेलीकॉप्टर क्रैश हादसे में पायलट सहित 7 लोगों की मृत्यु हुई है। दुर्घटना सुबह लगभग 11:40 बजे हुई।

उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में कैप्टन अनिल (मुंबई निवासी) सहित गुजरात के तीन और कर्नाटक, झारखण्ड के एक-एक यात्री सवार थे। एक अन्य यात्री के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए जिलाधिकारी स्तर पर जाँच बिठाई गई है।

उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ तथा पुलिस की टीम द्वारा घटनास्थल पर रेस्कयू व रिकवरी ऑपरेशन संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी भी उपस्थित रहे

तीन दिन पहाड़ों में छापेमारी करेंगे शिक्षामंत्री धनदा, ये है शेड्यूल

तीन दिवसीय गढ़वाल भ्रमण पर स्वास्थ्य मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत गढ़वाल मंडल के तीन दिवसीय दौरे पर रवाना हो गये हैं। अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान डॉ0 रावत पौड़ी, रूद्रप्रयाग और चमोली जनपद में स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। इसके अलावा वह विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण कर तीनों जनपदों में विभागीय योजनाओं की भी समीक्षा करेंगे। पर्वतीय जनपदों में शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत आज गढ़वाल मंडल के तीन दिवसीय दौरे पर रवाना हो गये हैं। अपने गढ़वाल भ्रमण के दौरान डॉ0 रावत पौड़ी, रूद्रप्रयाग और चमोली जनपदों का दौरा करेंगे। इस दौरान वह तीनों जनपदों में अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा वह विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, अस्पतालों और साधन समितियों सहित निर्माणाधीन कार्यों का औचक निरीक्षण भी करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत बुधवार को कर्णप्रयाग से जोशीमठ पहुंचेंगे जहां पर वह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके उपरांत वह उप जिला चिकित्सालय जोशीमठ जाकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। अस्पताल के निरीक्षण के साथ-साथ वह जोशीमठ में विद्यालयों का भी निरीक्षण करेंगे। जोशीमठ के बाद डॉ0 रावत बदरीनाथ धाम के लिये रवाना होगे, इस दौरान वह पाण्डुकेश्वर और लामबगड़ में प्राथमिक एवं इंटर कॉलेज पाण्डुकेश्वर, प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल लामबगड़ सहित बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति पाण्डुकेश्वर का निरीक्षण करेंगे। वृहस्पतिवार को डॉ0 रावत बदरीनाथ धाम में स्वास्थ्य विभाग के निर्माणाधीन अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का मकसद चार धाम यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को मजबूत करना है। इसके लिये सभी धामों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम में अगले यात्रा सीजन के लिये अस्पताल बनकर तैयार हो जायेगा। बदरीनाथ भ्रमण के दौरान कैबिनेट मंत्री देश के अंतिम गांव माणा में बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति का भी दौरा करेंगे।

पौड़ी, रूद्रप्रयाग और चमोली में लेंगे विभागीय बैठक

विभिन्न विद्यालयों एवं अस्पतालों का करेंगे औचक निरीक्षण

गढ़वाल भ्रमण के दौरान मंगलवार को डॉ0 रावत ने विकास भवन पौड़ी में सेब फैडरेशन की बैठक में प्रतिभाग किया। इसके अलावा उन्होंने श्रीनगर गढ़वाल में वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय मेडिकल कॉलेज में आयोजित प्रथम राज्य स्तरीय अंतर मेडिकल कॉलेज खेल महोत्सव के समापन समारोह में शिरकत कर विजेता खिलाडियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

विदेशों में पढ़ने वाले छात्रों का करियर अधिक सफल क्यों होता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कई शिक्षा और करियर लाभों के कारण विदेशों में अध्ययन लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। आमतौर पर यह माना जाता है कि किसी विदेशी देश में अध्ययन करने से आपके कौशल में वृद्धि होगी और आपके सफल करियर की संभावनाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। और इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंटरनेशनल एजुकेशन (IIE) की एक रिपोर्ट ने इस बात का सबूत दिया है कि विदेश में पढ़ाई करने से वास्तव में, आपको रोजगार योग्यता कौशल सीखने में मदद मिलती है।विदेश में अध्ययन कार्यक्रमों और कौशल विकास के बीच एक संबंध बनाता है और पुष्टि करता है कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र आज के कार्यक्षेत्र में अधिक रोजगार योग्य हैं।विदेशों में शिक्षा के साथ विकसित सामान्य कार्यस्थल कौशल संचार, लचीलापन और अनुकूलन क्षमता, समस्या सुलझाने के कौशल, आत्मविश्वास, अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन, भाषा और आत्म-जागरूकता, कुछ नाम हैं।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने यह भी उल्लेख किया है कि विदेश में अध्ययन के अनुभव ने उनके क्षितिज को व्यापक बनाया है, जिससे वे महत्वाकांक्षी और अधिक करियर-उन्मुख बन गए हैं।

इस प्रकार, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विदेश में पढ़ाई करना उन प्रभावी तरीकों में से एक है जिससे छात्र खुद को आगे बढ़ा सकते हैं और सफल करियर बना सकते हैं। यहां, आइए उन कौशलों को देखें जो आपने विदेश में पढ़ाई के दौरान हासिल किए हैं।अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनः अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय दुनिया के सभी कोनों से छात्रों की भर्ती करके विविधता को बढ़ावा देते हैं और इस प्रकार छात्रों को कई राष्ट्रीयताओं से परिचित कराते हैं। लोगों, संस्कृतियों, रीति-रिवाजों और स्थितियों की व्यापक समझ विकसित करने के मामले में यह प्रदर्शन काफी फायदेमंद हो सकता है।भाषा और संचार कौशलः कई वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि बहुभाषी होने से निर्णय लेने और ध्यान देने की अवधि में सुधार होता है। इसके अलावा, संचार सबसे बेशकीमती सॉफ्ट स्किल है जो नियोक्ता चाहते हैं।

अनुकूलन क्षमताः एक नए देश में जाने के साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। यह आपको अपने कम्फर्ट जोन से बाहर काम करने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाना और इस बदलाव की चुनौतियों पर काबू पाना आपकी अनुकूलन करने की क्षमता को मजबूत करता है।नेटवर्किंगः विदेश में अध्ययन करते समय, आप एक वैश्विक नेटवर्क बनाते हैं जो आपको भौगोलिक सीमाओं से परे अवसरों की तलाश करने में मदद करता है। आपका विश्वविद्यालय विभिन्न देशों और पृष्ठभूमि के छात्रों और पूर्व छात्रों से बना होगा, जिससे आप अपने नेटवर्क का विस्तार कर सकेंगे।समस्या-समाधानः इस कदम से निपटने से, बजट पर किराने का सामान खरीदना, स्थानीय यात्रा मार्गों का पता लगाना, नई रुचियों की खोज करना, विदेश में अध्ययन करना एक कठिन सीखने की अवस्था हो सकती है जो आपको समस्या हल करने के लिए सिखाएगी। जब आप हर चीज की देखरेख करते हैं, तो आप कठिनाइयों को बेहतर तरीके से तौलना सीखते हैंआत्मविश्वासः विदेश में पढ़ाई के दौरान आपको हर तरह के लोगों और परिस्थितियों से खुद ही निपटना होगा। आप मूल्यवान व्यक्तिगत और व्यावसायिक सबक सीखेंगे जो आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएंगे और आपको आत्मनिर्भर और लचीला बनाएंगे। यदि आप एक सफल पेशेवर बनना चाहते हैं तो यह कौशल होना आवश्यक है।इनके अलावा, टीम वर्क, लीडरशिप स्किल्स, इंटरकल्चरल स्किल्स, वर्क एथिक्स आदि अन्य स्किल्स हैं, जिन्हें आप विदेश में पढ़कर सुधारते हैं। इस प्रकार, हम कह सकते हैं कि विदेश में पढ़ाई करना न केवल आपके रिज्यूमे को बेहतर बनाने के बारे में है, बल्कि काम करने योग्य कौशल के साथ खुद को बेहतर बनाना भी है।

खुशी फैलाना मुश्किल नहीं है ! अपने प्रियजनों को और अधिक मुस्कुराने के लिए इन 5 युक्तियों को आजमाएं

क्या खुशी आपको दूर के सपने जैसा लगता है? तनाव की नई ऊंचाइयों पर चढ़ने के साथ, लोग भूल गए हैं कि कैसे मुस्कुराना है और खुश रहने का तरीका खोजना है। हालांकि इसे खोजना सबसे आसान नहीं है, लेकिन यह अप्राप्य भी नहीं है। आपको बस एक प्रयास करना है। यदि आप खुशी और उसकी पेचीदगियों के बारे में सोचने में बहुत अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं, तो आप सही पृष्ठ पर आ गए हैं।

तो आप किसका इंतज़ार कर रहे हैं? आइए आपके और आपके प्रियजनों के लिए खुशी खोजने की दिशा में पहला कदम उठाएं। इन बिंदुओं पर टिके रहें, किसी को मुस्कुराने और खुशी फैलाने के लिए हेल्थ शॉट्स के साथ साझा किया।

किसी के चेहरे पर मुस्कान कैसे लाएं?

यदि आप अपने प्रियजनों को मुस्कुराने के तरीके खोज रहे हैं तो यह लेख यह समझने में मदद कर सकता है कि शुरुआत कैसे करें।

1. उनकी बात सुनो

कभी-कभी, सभी लोगों की जरूरत होती है और चाहते हैं कि आप सुनें। किसी को सुनना आसान काम लग सकता है लेकिन वास्तव में यह एक खोई हुई कला है जिसे लोग नहीं समझते हैं। डिजिटल में बदलाव का बहुत प्रभाव पड़ा है और लोग सोशल मीडिया कहानियों और मीम्स के माध्यम से शब्दों के माध्यम से अधिक जुड़े हुए हैं।

जबकि विचलित सुनना विचलित ड्राइविंग जितना बुरा नहीं हो सकता है, यह वास्तव में सबसे अच्छा सामाजिक कौशल नहीं है। यदि आप जानबूझकर किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं, तो आपको यह सुनना शुरू करना होगा कि वे मुस्कुरा क्यों नहीं रहे हैं। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप उनकी खुशी के रास्ते को अवरुद्ध करने वाली किसी भी चीज़ को संबोधित करने के लिए एक समाधान खोजने में उनकी मदद कर सकते हैं।

2. दयालुता का एक छोटा सा कार्य

चाहे आप किसी की सराहना कर रहे हों या उनकी ताकत का उपयोग करके उनकी तारीफ कर रहे हों, लोगों के प्रति दयालु होना हमेशा एक अच्छा विचार है। दयालुता एक अद्भुत उपहार है जिसे आप बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना दूसरों को दे सकते हैं। वास्तव में, शोध से पता चलता है कि दूसरों के प्रति दयालु होने से कार्य करने वाले व्यक्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

अब मुस्कान के फायदे भी जान लो

मुस्कान एक सार्वभौमिक भाषा है! किसी भी संस्कृति में, एक मुस्कान संचार बाधाओं से बचने में आपकी मदद कर सकती है। हर कोई मुस्कान का उत्साह से जवाब देता है, तो क्यों न कुछ खुशियां फैलाएं? ऐसा कहने के बाद, हमारे विशेषज्ञ के अनुसार, अधिक मुस्कुराने के कुछ लाभ यहां दिए गए हैं:

1. यह तनाव से राहत देता है2. सुखद वाइब्स को नष्ट करता है3. यह सुन्न करने वाले दर्द में काम करता है4. रक्तचाप कम करता है5. यह संक्रामक है

ज्ञान की बात : क्या आपने कभी सोचा है कि ज्यादातर सीलिंग फैन्स में 3 ब्लेड क्यों होते हैं जबकि फैन्स में 4 ब्लेड भी होते हैं?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 18 अक्टूबर। बिजली के पंखे में 3-4-5 - कितने भी ब्लेड हो सकते हैं लेकिन ज्यादातर पंखे में केवल 3 ब्लेड ही क्यों होती है। बिजली के पंखे का प्राथमिक उद्देश्य वायु प्रवाह बनाना है। एक अच्छा प्रशंसक कम से कम शोर के साथ ऐसा कर सकता है। एक पंखा भी ऑपरेटिंग वातावरण की स्थितियों और वायु वितरण के आवश्यक स्तर के अनुसार बनाया गया है।पंखे आमतौर पर शीतलन सुविधा उत्पन्न करने के लिए एक स्टैंड-अलोन उपकरण होते हैं। साथ ही, भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है जहां अधिकांश क्षेत्र उच्च तापमान वाले हैं। इसलिए, शीतलन प्रभाव पैदा करने के लिए उपयोगकर्ताओं को अधिक मात्रा में हवा की आवश्यकता होती है।शोध के अनुसार, हवा की आवाजाही और दक्षता के लिए तीन ब्लेड की संख्या इष्टतम है। अधिक ब्लेड जोड़ने से प्रदर्शन में सुधार नहीं होता है और वास्तव में मोटर पर वायुगतिकीय ड्रैग को बढ़ाकर इसे और भी खराब कर सकता है। तकनीकी रूप से, ब्लेड की संख्या जितनी कम होगी, वायु वितरण उतना ही अधिक होगा। यह एक कारण है कि औद्योगिक पंखे (जैसे पवन टरबाइन) में आमतौर पर केवल दो या तीन ब्लेड होते हैं। वे तेजी से जा सकते हैं और अधिक हवा ले जा सकते हैं। परिणामी शोर संचालन के उन क्षेत्रों में ज्यादा चिंता का विषय नहीं है। हालांकि, घरेलू सीलिंग पंखे के लिए, तीन ब्लेड एयर डिलीवरी और कूलिंग आराम के लिए इष्टतम साबित होते हैं।

शोर का स्तर भी घरों के लिए उपयुक्त है। अधिक संख्या में ब्लेड के साथ, पंखे की गति धीमी होती है। अतिरिक्त ब्लेड सीलिंग फैन की मोटर पर खिंचाव बढ़ाते हैं और इसे धीमा कर देते हैं। उच्च गति वाला पंखा वायु वितरण दक्षता बढ़ाने में मदद करता है। चमकदार उच्च गति वाले पंखे पेडस्टल और सीलिंग दोनों किस्मों में उपलब्ध हैं जो बेहतर शीतलन सुनिश्चित करते हैं।

पुलिस परिवार के उपवा दीवाली मेला के उद्देश्य की गीता धामी ने की तारीफ़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। उत्तराखण्ड राज्य में पुलिस परिवारों के हितों की सुरक्षा एवं उनके कल्याण के लिए गठित उत्तराखंड पुलिस वाइफ वेलफेयर एसोसिएशन (उपवा) द्वारा पुलिस परिवार की महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाए जाने हेतु तथा उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पाद सामग्री को एक मंच प्रदान किए जाने हेतु दिनांक 18 से 20 अक्टूबर 2022 को पुलिस लाईन देहरादून में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय उपवा दीपावली वेलफेयर मेला 2022 का आयोजन किया जा रहा है।उपवा संगठन पुलिस परिवार में समन्वय स्थापित करने व उनकी समस्याओं तथा जरूरतों का समाधान करने हेतु उत्तराखंड पुलिस वाइफ वेलफेयर एसोसिएशन आगे बढ़ चढ़कर कार्य कर रही है। उपवा पुलिस परिवार को शैक्षणिक आत्मनिर्भर बनाने, पुलिस परिवार की महिलाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों व कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित करने, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करने, विधवा महिलाओं एवं दिव्यांग और विशेष बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल करने का कार्य कर रही है।

उपवा दीपावली मेले का शुभारम्भ मुख्य अतिथि गीता धामी पत्नी पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। दीप प्रज्जवलित करने के पश्चात मुख्य अतिथि महोदया द्वारा उपवा मेले का भ्रमण किया गया। भ्रमण के पश्चात गीता धामी ने मेले व पुलिस परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार किये गये उत्पादों की प्रशंसा की और उनके द्वारा बताया गया की उत्पाद बहुत अच्छी क्वॉलिटी के हैं तथा इन उत्पादों को एक अच्छे मार्केटिंग की आवश्यकता है। उनके द्वारा उपवा मेले में उत्पाद तैयार करने वाली महिलाओं तथा उपवा की समस्त महिलाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा की गयी तथा मेले के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी गयी। पुलिस परिवार की अध्यक्षा डा0 अलकनंदा अशोक द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।संध्या काल में पुलिस मार्डन स्कूल व सांस्कृतिक विभाग द्वारा मनमोहक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण किया गया।

इसके बाद मुख्यमंत्री द्वारा CBSE, ICSE और उत्तराखण्ड बोर्ड की दसवीं व बारहवीं कक्षा में तथा NEET एवं JEE में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्तराखण्ड पुलिस परिवार के बच्चों को पुरूस्कार वितरण किये गये। इसके साथ ही प्रदेश में संचालित कुल 05 पुलिस मार्डन स्कूल में से पुलिस मार्डन स्कूल 40 पी0ए0सी0 को बेस्ट पुलिस मार्डन स्कूल की ट्राफी से सम्मानित किया गया। द्वारा को उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक परम्पराओं में विभिन्न प्रकार की लोक कलाओं का उल्लेख है। उन्हीं में से एक ऐपण कला भी है। उत्तराखण्ड की स्थानीय चित्रकला की शैली को ऐपण के रूप में जाना जाता है। मुख्यतः ऐपण उत्तराखण्ड में शुभ अवसरों पर बनायी जाने वाली रंगोली है। इसी ऐपण कला को उत्तराखण्ड पुलिस परिवार की महिलाओं द्वारा गमछा, शॉल व अन्य वस्त्रों में उकेरा गया है। मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड द्वारा इस अवसर पर पुलिस परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार किये गये शुभवस्त्र का उद्घाटन किया गया। यह शुभवस्त्र उत्तराखण्ड के पुलिस परिवार को एक नयी पहचान देगा।वॉयस ऑफ इंडिया व इंडियन आइडल सीजन-12 के विजेता उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध गायक पवनदीप राजन की मधुर आवाज से सभी श्रोतागण झूम उठे। पवनदीप व मेले को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग देर रात तक पुलिस लाइन में जुटे रहे।

केदार हेलीकॉप्टर हादसे की जवाबदेही तय हो , जिम्मेदार के खिलाफ हत्या का मुकदमा हो : सूर्यकान्त धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने केदार घाटी में हुए हैलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए यह मांग करी कि खराब मौसम में हैलीकॉप्टर को उड़ने की इजाजत क्यों दी गयी इसकी न केवल जांच होनी चाहिए बल्कि जिम्मेदार के खिलाफ सात लोगों की हत्या का मुकद्दमा कायम कर सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। श्री धस्माना ने कहा कि हैलीकॉप्टर ने खराब मौसम में उड़ान क्यों भरी इसकी जवाबदेही केवल शोक और दुख व्यक्त कर नही हो सकती बल्कि कैसे इज़ाजत दी गयी इसकी जांच कर जिम्मेदारी तय मि जाय व कार्यवाही हो। कांग्रेस लीडर धस्माना ने कहा

कि पैसा कमाने की आपाधापी में हैली कम्पनियां नियमों की धज्जियाँ उड़ा कर यात्रियों की जान जोखिम में डालती हैं जिसका दुष्परिणाम आज देखने को मिला जिसमें सात लोगों की जान चली गयी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से उत्तराखंड की तीर्थ यात्रा व पर्यटन पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सम्मिलित करने की स्वीकृति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सम्मिलित करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सम्मिलित करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना पर धन आबंटन हेतु जल शक्ति मंत्रालय द्वारा वित्त मंत्रालय भारत सरकार प्रेषित किया जाएगा। जैसा कि विदित है कि उत्तराखंड राज्य के जनपद नैनीताल में काठगोदाम से 10 किलोमीटर अपस्ट्रीम में गोला नदी पर जमरानी बांध (150.6 मीटर ऊंचाई)

का निर्माण प्रस्तावित है। परियोजना से 150000 हेक्टेयर कृषि योग्य क्षेत्र सिंचाई सुविधा से लाभान्वित होगा,साथ ही हल्द्वानी शहर को वार्षिक 42 एमसीएम पेयजल उपलब्ध कराए जाने तथा 63 मिलियन यूनिट जल विद्युत उत्पादन का प्रावधान है। 10 जून 2022 को

■ जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में दी गई स्वीकृति

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जमरानी बांध परियोजना को पीएमकेएसवाई को रु2584 करोड की निवेश स्वीकृति प्रदान की गई थी। आज दिनांक 18-10-2022 को सचिव जल शक्ति मंत्रालय की अध्यक्षता एवं नीति आयोग तथा प्रमुख सचिव सिंचाई उत्तर प्रदेश की उपस्थिति मे आयोजित स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना मे शामिल करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया। परियोजना के सापेक्ष धन आवंटन हेतु जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को प्रेषित किया जाएगा।

उत्तराखंड में एक जिला एक उत्पाद योजना बड़े उत्साह के साथ मनाई जा रही है : चंदन राम दास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना की तरह उत्तराखण्ड सरकार ने प्रत्येक जिले से दो उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए समान दृष्टिकोण पर एक जिला दो उत्पाद योजना लागू की है। यह योजना सभी जिलों के स्थानीय और पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा देगी। इस योजना के क्रियान्वयन से संतुलित क्षेत्रीय विकास, रोजगार सृजन, निवेश प्रोत्साहन तथा निर्यात संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा और इससे राज्य की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होगी।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य विभिन्न डिजाइन हस्तक्षेपों, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा प्रचार-प्रसार के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पादों की व्यापक दृश्यता के लिए प्रत्येक उत्पाद की विशिष्ट पहचान बनाना है।

जिला स्तर पर योजना में अब तक किये गये कार्यों तथा चिन्हित उत्पादों के प्रचार-प्रसार हेतु दिनांक 18 अक्टूबर से दिनांक 20 अक्टूबर तक उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, पटेल नगर, देहरादून के प्रांगण में प्रत्येक जिले के लिए चिन्हित उत्पादों की

एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री चन्दन राम दास द्वारा 18 अक्टूबर को प्रातः 9:00 बजे किया गया।

इस अवसर पर विभागीय सचिव डॉ० पंकज कुमार पाण्डेय, महानिदेशक एवं आयुक्त रोहित मीणा एवं निदेशक उद्योग सुधीर चन्द्र नौटियाल भी उपस्थित थे।प्रदर्शनी के उद्घाटन के पश्चात मंत्री द्वारा प्रत्येक जिले से प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन भी किया गया। इस प्रदर्शनी में बागेश्वर जनपद की तांबे से बनी वस्तुओं तथा कीवी फल, अल्मोड़ा जनपद की बाल मिठाई एवं ट्वीड, पिथौरागढ़ जनपद की मुनस्यारी की राजमा, दन व शहद उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है।प्रदर्शनी आम जनता के लिए दिनांक 20 अक्टूबर तक खुली रहेगी, जिसमें प्रदेश के सभी जनपदों में विशिष्ट उत्पाद लोग कार्य भी कर सकते हैं।

दुग्ध मंत्री सौरभ बहुगुणा का तोहफा : प्रदेश के दुग्ध उत्पाद को 45 करोड़ दीपावली का तोहफा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। डेरी विकास विभाग द्वारा दुग्ध सहकारी समिति सदस्यों को रू 4.00 प्रति लीटर की दर से दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है। इस वर्ष दुग्ध विकास मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार के अथक प्रयासों से दुग्ध उत्पादकों को भुगतान किये जाने हेतु कुल 45 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है। दीपावली के शुभ अवसर पर दुग्ध उत्पादकों द्वारा की जा रही मांग को दृष्टिगत रखते हुए राज्य सरकार द्वारा एकमुश्त 20 करोड़ की धनराशि दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन के भुगतान हेतु जारी की गयी है। इस प्रकार जारी की गयी धनराशि से कुल लगभग 52 हजार दुग्ध उत्पादक लाभान्वित होगें। वर्तमान परिस्थितियों में जबकि दुग्ध उत्पादन लागत में अत्याधिक वृद्धि हो रही है, राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि दुग्ध उत्पादकों को राहत प्रदान करेगी। राज्य सरकार द्वारा जारी की गयी यह धनराशि

दुग्ध उत्पादकों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी। दीपावली से पूर्व राज्य सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादकों हेतु प्रदान की गयी इस सौगात के लिए दुग्ध उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करने वाले दुग्ध संघ अध्यक्षों द्वारा दुग्ध विकास मंत्री एवं मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया गया है।

दुनिया को ORS पिलाने वाले डॉ. दिलीप महालनोबिस का निधन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

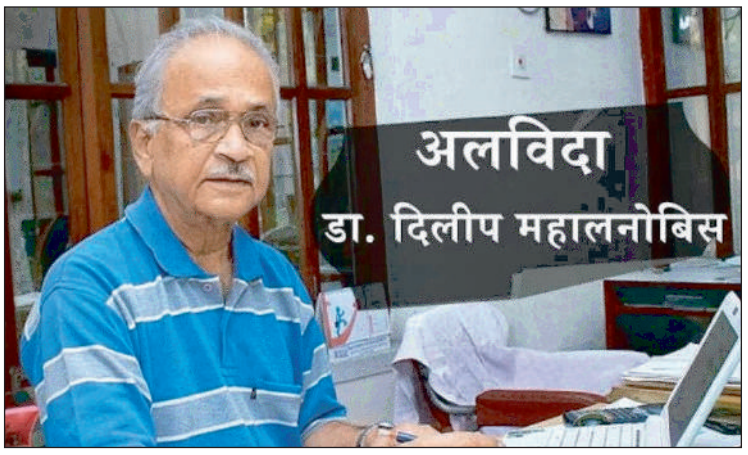

डॉ. दिलीप महालनोबिस को बांग्लादेश युद्ध के दौरान लाइफ सेविंग सॉल्यूशन को विकसित करने और ओरल रीहाइड्रेशन थेरपी (ओआरटी) को प्रचलित करने का श्रेय दिया जाता है। वह लंबे वक्त से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे।

ओआरएस के जनक और मशहूर बाल चिकित्सक डॉ. दिलीप महालनोबिस का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वह स्वास्थ्य कारणों के चलते काफी दिनों से कोलकाता के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। डॉ. दिलीप महालनोबिस को बांग्लादेश युद्ध के दौरान लाइफ सेविंग सॉल्यूशन को विकसित करने और ओरल रीहाइड्रेशन थेरपी (ओआरटी) को प्रचलित करने का श्रेय दिया जाता है।

मुख्य रूप से बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षित डॉ. महालनोबिस ने 1966 में जनस्वास्थ्य में कदम रखने के साथ ओआरटी पर काम करना शुरू किया था। डॉ. महालनोबिस ने डॉक्टर डेविड आर नलिन और रिचर्ड ए कैश के साथ कोलकाता के जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी इंटरनैशनल सेंटर फॉर मेडिसिन रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग में इसे लेकर रिसर्च की।

मृत्युदर कम करने में कारगर ORS

टीम ने ओआरएस बनाया जिसकी प्रभावशीलता 1971 के युद्ध तक केवल नियंत्रित परिस्थितियों में ही आजमाई गई थी। आईसीएमआर-एनआईसीईडी के डायरेक्टर शांता दत्त ने बताया, 'ओआरएस एक महान खोज थी और इसके लिए डॉ. महालनोबिस का योगदान अभूतपूर्व है। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान कोलेरा (हैजा) से संक्रमित मरीजों की मृत्युदर कम करने में कारगार साबित होने के बाद ओआरएस को वैश्विक रूप से स्वीकार्यता मिली।'

युद्ध के चलते करीब 1 करोड़ लोग जान बचाकर बंगाल के बॉर्डर जिलों में भाग आए थे। उस वक्त बोनगांव स्थित रिफ्यूजी कैंप में हैजा महामारी फैल गई थी और अंतः स्रावी द्रव का स्टॉक भी खत्म हो गया था। इसके बाद डॉ. महालनोबिस ने कैंप में ओआरएस भिजवाए। ओआरएस के चलते रिफ्यूजी कैंप में मरीजों की मृत्युदर 30 फीसदी से घटकर 3 फीसदी तक हो गई।

20 वीं शताब्दी की महान खोज

ओआरएस को मेडिसिन में 20वीं शताब्दी की महान खोज करार दिया गया। डॉ. महालनोबिस को 2002 में यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबिया ऐंड कॉरनेल में पोलिन पुरस्कार और 2006 में थाईलैंड सरकार ने उन्हें प्रिंस महिडोल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. महालनोबिस ने कोलकाता स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ को अपनी एक करोड़ की सेविंग दान की थी। यहीं से उन्होंने बाल चिकित्सक के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी।

टीबी मुक्त उत्तराखंड बनाने में सहयोग करेंगे निजी चिकित्सक : डॉ पंकज सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। प्रधानमंत्री टी०बी० मुक्त भारत योजना को गति देने के उद्देश्य से राज्य नोडल अधिकारी (क्षय) डा० पंकज सिंह द्वारा आई०एम०ए० उत्तराखण्ड के महासचिव, डा० डी०डी० चौधरी से बैठक की।

बैठक में डा० पंकज सिंह द्वारा प्रधानमंत्री टी०बी० मुक्त भारत योजना में आई०एम०ए० के सक्रिय सहयोग हेतु आग्रह किया गया तथा उक्त योजना के उद्देश्य एवं सभी तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया गया। उनके द्वारा यह उनके द्वारा यह अपेक्षा की गयी कि निजी क्षेत्र के चिकित्सक निक्षय मित्र के रूप में समाज की सेवा करके इस महान उद्देश्य की पूर्ति में उत्तराखण्ड राज्य का सहयोग करेंगे।इसके साथ ही राज्य नोडल अधिकारी द्वारा क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के अन्य विषयगत क्षेत्र (TB Notification, Treatment Outcome इत्यादि) में निजी क्षेत्र के चिकित्सकों का सहयोग बढाये जाने पर विस्तृत चर्चा की गयी, जिससे टी०बी० उन्मूलन के क्षेत्र में सफलता हासिल होगी। अधिक से अधिक टी0बी0 रोगियों को खोजे जाने तथा सभी को समुचित उपचार उपलब्ध कराने से टी०बी० रोग का जड से समाप्त किया जाना सम्भव हैं।डा० पंकज सिंह द्वारा राजकीय एवं निजी क्षेत्र के परस्पर सहयोग से टी०बी० के सूचकांको में सुधार लाया जाने की आवश्यकता पर बल दिया जिससे टी०बी० उन्मूलन के उद्देश्य को अमलीजामा पहनाया जा सके। आई०एम०ए० महासचिव, डा० डी०डी० चौधरी द्वारा क्षय नियंत्रण कार्यक्रम में निजी क्षेत्र के चिकित्सकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। तथा सभी जनपदों के आई०एम०ए० अध्यक्षों को निक्षय मित्र योजना में उत्तराखण्ड सरकार का सहयोग करने हेतु सभी सम्भव प्रयास करने के निर्देश दिये गये।

अचानक ISBT पहुंची डीएम सोनिका क्यों हुई नाराज़?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। जिलाधिकारी सोनिका ने आईएसबीटी देहरादून का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आईएसबीटी में अव्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अनुबंधित फर्म रेमकी के प्रबंधक को व्यवस्थाएं सुधारने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही रंग-रोगन, मरम्मत एवं परिसर के भीतर निर्माण कार्य को यथाशीघ्र शुरू न किए जाने पर निर्धारित प्राविधानों के अनुसार सख्त कार्यवाही किए जाने की चेतावनी दी। सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आईएसबीटी के भीतर उबड़-खाबड़ सड़क को ठीक करने के निर्देश दिए तथा आईएसबीटी परिसर में सफाई व्यवस्था, रंग-रोगन और मरम्मत कार्य को दो दिन के भीतर शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने आईएसबीटी परिसर में अव्यवस्थित डस्टबिन एवं फैले कूड़े पर नाराजगी जताते हुए रेमकी के अधिकारियों को कूड़ा निस्तारण हेतु नगर निगम से समन्वय करते हुए कूड़ा उठान कार्य करवाने के निर्देश दिए। साथ ही एमडीडीए के अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेमकी द्वारा व्यवस्थाएं ठीक न करने पर कम्पनी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाए। उन्होंने परिसर में हरियाली सौन्दर्यीकरण के लिए उद्यान कार्य (पौधारोपण एवं फूल) आदि लगाते हुए साज-सज्जा कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियन्ता अजय माथुर, सुनील कुमार, सहायक निदेशक सूचना बीसी नेगी, सहायक अभियन्ता एमडीडीए अभिषेक भारद्वाज सहित रेमकी के प्रबंधक एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

मिल गयी अजीम को दुल्हनिया, पीएम सीएम को देंगे न्योता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तर प्रदेश के शामली में ढाई फुट लंबे कद के अजीम मंसूरी ने आखिरकार अपने जैसा एक इंसान ढूंढ लिया है। वो दो फुट लंबी बुशरा से शादी करने वाले हैं। काफी समय से अजीम अपने लिए दुल्हनिया तलाश कर रहे थे। 27 साल के अजीम 7 नवंबर को एक भव्य समारोह में बुशरा से शादी करेंगे।अजीम पिछले कुछ महीनों से बहुत परेशान थे क्योंकि उनको अपने लिए एक साथी नहीं मिल रहा था। इस साल मार्च में, उसने अपने लिए दुल्हन खोजने में मदद करने के लिए स्थानीय पुलिस से संपर्क किया था। उन्होंने इस संबंध में मीडिया से गुहार भी लगाई थी और खूब प्रचार भी किया था।उसने कहा, 'मुझे खुशी है कि मेरा सपना अब पूरा हो रहा है। मैं अपनी शादी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित करूंगा। मुलायम सिंह यादव के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है, क्योंकि मैं उन्हें भी आमंत्रित करना चाहता था।'उन्होंने कहा, 'बाकी की तैयारियां मेरा परिवार कर रहा है।' अजीम शादी की तैयारियों में व्यस्त हैं और उन्होंने अपने लिए एक विशेष शेरवानी और थ्री-पीस सूट भी सिलवाया है।

प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार बने निःक्षय मित्र, टीबी रोगी को लिया गोद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 18 अक्टूबर। टीबी मुक्त भारत के निःक्षय मित्र अभियान के अंतर्गत प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार सात साल की टीबी रोगी जोया के निःक्षय मित्र बनते हुए उन्हें गोद लिया साथ ही मासिक पोषण किट वितरित की।

देहरादून स्थित जिला क्षय नियंत्रण कार्यालय में राज्य के प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उत्तराखंड को टीबी मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी का संकल्प लेना होगा। आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों, सामाजिक संस्थानों आदि टीबी रोगियों की सहायता करने के लिए निःक्षय मित्र बनें। हमें इस चुनौती को स्वीकार करते हुए प्रत्येक टीबी रोगी का मित्र बनकर उनके इलाज, पोषण में सहयोग करना होगा ताकि हमारा प्रदेश टीबी मुक्त हो सके।

आपको बता दें राष्ट्रपति द्वारा 09 सितम्बर, 2022 को निःक्षय मित्र टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की गई। इसके अन्तर्गत 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। विगत माह राजभवन में माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.), माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत उत्तराखण्ड में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत कर चुके हैं।

इस अभियान के शुरूआत होने के अवसर पर माननीय राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, माननीय स्वास्थ्य मंत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने टीबी रोगियों की सहायता हेतु निःक्षय मित्र बनते हुए टीबी रोगियों को गोद लिया और उन्हें मासिक पोषण किट वितरित किया। प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार ने इस दौरान नर्सिंग कॉलेज, छात्रावास, छात्रावास का निर्माण भवन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, 108 सेवा व माध्यमिक संदर्भण प्रयोगशाला का औचक निरीक्षण किया। नर्सिंग कॉलेज की कक्षाओं में निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा साफ-सफाई, लाइब्रेरी में कम किताबें, जल रिसाव के बारे में प्रभारी सचिव को बताया गया। जिस पर प्रभारी सचिव ने नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य को जल्द आवश्यक कार्यावाही करते हुए निर्देशित किया।

छात्र-छात्राओं को आश्वासन देते हुए छात्रावास में व्यवस्थाएं बेहतर बनाने के निर्देश प्रभारी स्वास्थ्य सचिव डॉ राजेश कुमार ने अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही नर्सिंग कॉलेज के निर्माणाधीन भवन के निर्माण में हो रही देरी को लेकर निर्माण अधिकारी को शीघ्र कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित भी किया।

इस दौरान स्वास्थ्य महानिदेशक (कार्यवाहक) डॉ. विनीता शाह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पंकज सिंह, जिला क्षःय अधिकारी डॉ. मनोज वर्मा, सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

108 सेवा के रियलिटी चेक में स्वास्थ्य सचिव डा. आर राजेश कुमार ने दिए खामिया दूर करने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। उत्तराखंड के प्रभारी स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने चन्दर नगर स्थित नर्सिंग कॉलेज व निर्माणाधीन छात्रावास और आपातकालीन सेवा 108 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नर्सिंग कॉलेज के क्लासरूम में जाकर अध्यनरत छात्र छात्राओं से बात की। उन्होंने उनकी समस्याओं को सुना ,और छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाओ में खामियां मिलने पर कॉलेज प्रशासन को पूरा करने के निर्देश दिए। प्रभारी स्वास्थ्य सचिव ने निर्माणाधीन छात्रावास की स्थिति का जायजा भी लिया और जल्द ही निर्माण कार्य को पूरा कराने की बात कही। इसके बाद स्वस्थ्य सचिव अचानक आपातकालीन सेवा 108 जा पहुँचे। इस औचक निरीक्षण के दौरान 108 को संचालित करने वाली संस्था के अधिकारियों कर्मचारियों से मिले। सचिव

ने कार्यालय में प्रवेश करते ही कॉल सेन्टर दिखाने को कहा। 108 के मुख्य प्रबन्धक अनिल शर्मा ने कॉल सेन्टर का निरीक्षण करवाया ।निरीक्षण करने के बाद सचिव प्रभारी डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि 108 आपातकालीन सेवा है, जिसका उन्होंने रियलिटी चेक किया। इस सेवा को वर्तमान में कैम्प संस्था द्वारा संचालित किया जा रहा है। जिसका 2024 तक अनुबन्ध है। इसके साथ ही 102 के कॉल सेंटर का भी निरीक्षण किया सभी सेवाएं बेहतर व संतोषजनक पायी गयी।

सरकारी स्कूल की ये लड़कियां कमाल हैं, इसको कहते हैं मॉडल स्कूल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अक्टूबर। आंध्र के बेंदापुडी के सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स की अमेरिकन एक्सेंट में इंग्लिश बोलने के तरीके पर पिछले दिनों सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया था लेकिन बावजूद इसके छात्रों ने अपना हौसला नहीं खोया। वह आत्मविश्वास से भरपूर होकर अमेरिकन इंग्लिश में बात करते हैं और दुनियाभर से उन्हें प्रोत्साहन मिल रहा है।'दिज इज मेघना, स्टूडेंट ऑफ टेंथ (10th) क्लास फ्रॉम जेडपीएचएस (जिला परिषद हाई स्कूल) बेंदापुडी।' बेंदापुडी आंध्र के काकीनाडा जिले स्थित अन्नावरम में एक छोटा सा गांव है। कुछ समय पहले तक यहां के सरकारी स्कूलों में सिर्फ तेलुगू में ही पढ़ाई होती थी। तो अचानक से यहां के स्टूडेंट्स अमेरिकन एक्सेंट में कैसे बात करने लगे, यह सवाल सभी के मन में हैं।

दूसरे स्कूलों के लिए रोल मॉडल

दरअसल यह संयोग भर था। सरकारी स्कूल के इंग्लिश टीचर गंता वीर प्रसाद अपना नया डिजिटल माइक्रोफोन टेस्ट करना चाहते थे। उन्होंने कुछ रिकॉर्डिंग बनाईं जो स्कूल ग्रुप के जरिए ऑनलाइन पोस्ट हो गईं और तेजी से वायरल होने लगीं। इसके बाद प्रसाद और उनके कुछ छात्रों को आईएएस अधिकारियों के समूह से बातचीत के लिए बुलाया गया।इससे पहले वे मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी के मुखातिब हो चुके थे। इसके बाद अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों ने भी छात्रों से बात की। अमेरिकी दूतावास के डोनाल्ड एल हेफलिन ने अगस्त में बच्चों से ऑनलाइन माध्यम से बातचीत की और अब बेंदापुडी आंध्र प्रदेश के दूसरे स्कूलों के लिए रोल मॉडल बन गया है। यहां तक कि दूसरे प्राइवेट स्कूलों के कुछ छात्रों ने बेंदापुडी सरकारी स्कूल में दाखिला ले लिया है।

इंग्लिश टीचर का एक्सपेरिमेंट हुआ हिट

प्रसाद जिन्होंने खुद तेलुगू माध्यम में पढ़ाई की, वह जानते हैं कि उनके छात्रों की जरूरत क्या है। वह कहते हैं, 'तेलुगू माध्यम से पढ़ाई के बाद मुझे एक प्राइवेट इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा 2 के बच्चों को पढ़ाने के लिए जॉब ऑफर आया।' प्रसाद बताते हैं, 'कुछ सालों के अंदर मैंने स्कूल की पूरी टीचिंग फ्रैटरनिटी को इंग्लिश ग्रामर पढ़ाई। एक तेलुगू मीडियम छात्र होने के नाते, मैं मातृभाषा में छात्रों की ताकत और इंग्लिश बोलने में झिझक को समझ सकता हूं। इसलिए मैंने छात्रों की जरूरत के हिसाब से अपनी रेग्युलर इंग्लिश क्लास को मॉडिफाइ किया।'

उत्तराखंड का स्वाद भरेगा उड़ान, हवाई यात्रा में मिलेगा पहाड़ी व्यंजन : सतपाल महाराज

■ आइएचएम के विद्यार्थियों ने तैयार किए पहाड़ी बाजरा से तैयार 151 व्यंजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मैंने आग्रह किया है कि जो 28 फ्लाइटस् उत्तराखंड आ रही हैं उसमें उत्तराखंड के स्नैक्स और भोजन परोसे जाएं ताकि यहां के व्यंजनों को अधिक से अधिक प्रोत्साहन मिल सके - महाराज उत्तराखंड के पर्यटन, लोक निर्माण, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने होटल मैनेजमेंट संस्थान (IHM) में विश्व खाद्य दिवस के मौके पर वहां के विद्यार्थियों द्वारा क्षेत्रीय बाजरा से निर्मित 151 व्यंजनों की प्रदर्शनी के मौके पर कहीं।मंत्री महाराज ने कहा कि उत्तराखंड के खानपान को प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से वार्ता कर उत्तराखंड आ रही 28 फ्लाइट्स में उत्तराखंड के स्नैक्स और भोजन परोसे जाने का आग्रह किया है ताकि हवाई यात्रा के दौरान उत्तराखंड का स्वाद भी उड़ान भर सके, जिसे उन्होने स्वीकार भी किया है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम 'स्वस्थ कल के लिए सुरक्षित भोजन आज' है। इसके अलावा, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय क्षेत्रीय बाजरा को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023 को ₹अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष₹ के रूप में मना रहा है। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए विश्व खाद्य दिवस के मौके पर आईएचएम के छात्रों और कर्मचारियों ने क्षेत्रीय बाजरा से निर्मित 101 आइटम तैयार किए हैं। जिनमें जवार से बनी रोटी, समोसा, खिचड़ी, सलाद मीठा, सलाद नमकीन, उपमा, पकोड़ा, इडली, चीला, परांठा, मुठिया, कचौरी, डोसा, पैनकेक (नारियल, चा, गुड़ से भरा हुआ), ब्रेड, सैंडविच, कैनपे, उत्तपम, खीर हलवा, लड्डू, दिमसम, चौमियां, ढोकला, काठी रोल, टैकोस, पास्ता, भरवां शिमला मिर्च, भरवां टमाटर, डोनट और बाजरे की रोटी, लड्डू, गुलगुले, खिचड़ी, चीला, उत्तपम, बिस्कुट, सलाद (कार्रत), ढेबरा (गुजरती ब्रेड), हांडवो, भात के साथ-साथ मंडुआ से बनी रोटी, मफिन, ब्रेड, सैंडविच, कैनपे, गोलगप्पे, कुकीज़, रस्क, सही टुकडा, मैथी, गुलगुले, नूडल्स, समोसा, पूरी, नमकीन कप केक, मांडवा डोनट, हॉटडॉग, पेस्ट्री, स्विस रोल, काठी रोल, पापड़ी, पास्ता झंगोरे की खीर, सुशी, पुडिंग, भट्ट, इडली, कटलेट, क्रॉकेट, पकोरा के अलावा चौलाई से निर्मित्त लड्डू, हलवा, गुलाब जामुन, खीर, कटलेट, कुकीज, स्मूदी बनायें है। महाराज ने कहा कि आईएचएम के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया गया यह प्रयास बेहद सराहनीय, निश्चित रूप से इस प्रकार की प्रदर्शनी से उत्तराखंड के पारंपारिक खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहन और पहचान मिलेगी। इस अवसर पर होटल मैनेजमेंट संस्थान (IHM) के प्रधानाचार्य जगदीप खन्ना, एचओडी मनीष सेमवाल, मनीष भारती सहित संस्थान के सभी छात्र एवं कर्मचारी मौजूद थे।

ऊधम सिंह नगर में वृद्ध आश्रम और नशा मुक्ति केंद्र की सख्त जरूरत : युगल किशोर पंत, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 18 अक्टूबर। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवम अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने यूआईआरडीए पहुँचकर आकांक्षी जनपद के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने अठावले को अवगत कराया कि जनपद में एक वृद्ध आश्रम तथा नशा मुक्ति केंद्र खोले जाने की नितांत आवश्यकता है, जिस पर अठावले ने कहा कि एनजीओ आदि के माध्यम से नशा मुक्ति केंद्र संचालन के साथ ही वृद्ध आश्रम खोलने की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने जनपद में नशा-मुक्ति केन्द्र तथा वृद्धाश्रम खोलने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जिलाधिकारी को दिये। अठावले ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ जनपद के साथ ही पूरे उत्तराखंड राज्यों को दिलाने में भी किसी भी तरह की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद की जो भी जरूरतें एवं आवश्यकता हैं, उन्हें सीधे या ईमेल के माध्यम से भी भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक के माध्यम से जो भी जानकारियां प्राप्त हो रही है एवं जो भी समस्याएं सामने आ रही हैं, उन सभी से पीएमओ को लिखित में अवगत कराया जाएगा और समस्याओं के निस्तारण हेतु उचित पैरवी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद के विकास में उनके द्वारा पूर्ण सहयोग मिलता रहेगा। अठावले ने कहा कि आकांक्षी जनपद के अंतर्गत पिछले 4 वर्षों में जनपद उधम सिंह नगर ने विकास के क्षेत्र में अच्छा काम किया है और अच्छे कार्यों के बल पर ही आज जिला एस्पिरेशनल डिस्टिक में दसवें नंबर पर है। उन्होंने कहा कि जनपद को टॉप 3 में लाने के लिए हर संभव मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि जनपद को एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत टॉप श्री में स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीएमओ से बात कर जनपद को अधिक से अधिक बजट आवंटित कराने की ठोस पैरवी की जाएगी। उन्होंने जनपद की सामाजिक एवं भौगोलिक स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि यह जनपद उत्तराखंड का महत्वपूर्ण जिला है। केंद्रीय मंत्री अठावले ने जनपद की भूरी भूरी प्रशंसा की। मंत्री अठावले ने हेल्थ एंड न्यूट्रिशन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने जनपद में सीवियर एनीमिया के मात्र 2 ही मरीज होने पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में जिलाधिकारी युगल किशोर पंत तथा मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने आकांक्षी जनपद के अंतर्गत संचालित गतिविधियों जनपद की डेल्टा तथा कम अपोजिट रैंक जनपद की सामाजिक आर्थिक एवं भौगोलिक स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, मुख्य कृषि अधिकारी एके वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी उदय प्रताप सिंह, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम मृदुला सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी आरके पंत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महिला सम्मेलन में थिरकीं स्पीकर खण्डूड़ी, नारी शक्ति को किया नमन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अक्टूबर। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण के कोटद्वार स्थित निजी आवास पर महिला मोर्चा का मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रदेश एवं जिला स्तर की महिला मोर्चा के पदाधिकारी सहित स्थानीय महिला कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस मौके पर महिलाओं द्वारा अपनी लोक संस्कृति का परिचय देते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने भी महिला कार्यकर्ताओं के साथ लोक गीतों पर जमकर नृत्य किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं से वाद संवाद कर विभिन्न विषयों पर वार्ता करना रहा। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने में महिला कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही है। देश एवं प्रदेश में महिला कार्यकर्ताओं को विभिन्न पदों पर सुशोभित कर विशेष सम्मान भी प्राप्त हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश में महिलाओं की भूमिका बदली है आज, महिलाएं सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र के साथ साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ी है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएं संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के राष्ट्रपति के पद पर भी महिला विराजमान हैं, वित्त मंत्री से लेकर न जाने किन किन पदों पर महिलाएं अपनी भूमिका निभा रही है। इस मौके पर महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष कंचना ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराधा वालिया, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आशा कोठारी, जिला अध्यक्ष नीलम मंदोलिया, नगर अध्यक्ष बीना रावत, नगर उपाध्यक्ष मीना बेंजवाल, मंडल अध्यक्ष पूनम खंतवाल, जिला महामंत्री शशिबाला केष्टवाल, प्रीति कुलाश्री, संगीता सुंदरियाल, रजनी बिष्ट, लक्ष्मी नेगी, आशा ध्यानी, उर्वशी अग्रवाल, रानी नेगी, अनीता आर्य, भानूश्वरी, अर्चना शर्मा, मंजू ज़ख्मोला, सुनीता कोटनाला, शशि नैनवाल, मालती बिष्ट, आशा डबराल, गायत्री भट्ट, मुन्नी काला, लक्ष्मी डोबरियाल, अनीता गौड़, कुसुम पटवाल, पूजा शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रही।

संपादकीय

बच्चों के प्रति हिंसक व्यवहार से बचें शिक्षक

गुरु और ज्ञान की जितनी महिमा हमारे देश में गायी गयी है, शायद ही किसी और देश में गायी गयी हो. यह महिमागान 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः, गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म' तक ही सीमित नहीं, बल्कि गुरु के बिना ज्ञान प्राप्ति को असंभव करार देने तक जाता है. संत कबीर ने सीख दी है कि अपने सिर की भेंट देकर भी गुरु से ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, क्योंकि ऐसा न करने के कारण कितने ही 'भोंदू' संसार-सागर पार नहीं कर पाये. कबीर के अनुसार, 'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट.' फिर भी गुरु व ज्ञान से जुड़ी विडंबनाएं भी हमारे देश में ही सबसे ज्यादा हैं. कबीर के वक्त भी 'जाका गुरु है आन्हरा, चेला खरा निरंध, अंधे को अंधा मिला, दोऊ कूप पड़ंत' वाली स्थिति थी. आज की विडंबनाएं उस वक्त की विडंबनाओं से इस मायने में अलग हैं कि तब शिष्य खुद ही अपने गुरु चुना करते थे. 'दोऊ कूप पड़ंत' की नौबत आये, तो खुद उसके जिम्मेदार होते थे. लेकिन अब समाज व शिक्षा की व्यवस्थाओं ने शिक्षक नामधारी गुरुओं के चुनाव की छात्र नामधारी शिष्यों की सहूलियतें बहुत सीमित कर दी हैं. छात्रों के शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश लेने के बाद ये व्यवस्थाएं ही तय करती हैं कि उनके शिक्षक कौन होंगे. उनका दावा है कि उन्होंने ऐसे शिक्षक नियुक्त कर रखे हैं, जो निष्णात हैं ही, यह भी जानते हैं कि उन्हें छात्रों से कैसे पेश आना चाहिए, पर इधर उनके इस दावे को मुंह चिढ़ा कर विचलित करने वाली इतनी खबरें आ रही हैं कि 'दोऊ' नहीं तो कम से कम शिष्यों के 'कूप पड़ंत' के लिए वही जिम्मेदार लगती हैं. दोषपूर्ण चयन के कारण ही अनेक छात्र ऐसे शिक्षकों के हवाले हो गये हैं, जिनका न अपनी कुंठाओं पर काबू है, न ही गुस्से पर. विगत कुछ दिनों में ही कई शिक्षक अपने शिष्यों की जान के दुश्मन बने हैं. राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा के एक स्कूल में 12 साल के छात्र की उसके शिक्षक की पिटाई से मौत हो गयी. उस छात्र का कसूर इतना भर था कि उसने होमवर्क नहीं किया था और परीक्षा में कम अंक पाये थे. उसे पीटने वाले शिक्षक के खिलाफ पहले भी ऐसी शिकायतें आयी थीं, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की थी. उत्तर प्रदेश के औरैया में दसवीं कक्षा के 'पढ़ाई में मन न लगाने वाले' छात्र को भी शिक्षक की पिटाई से जान गंवानी पड़ी थी. राजस्थान में एक सवर्ण शिक्षक ने एक दलित छात्र को मटके से पानी लेने के 'अपराध' में इतनी बेरहमी से पीटा कि उसे लंबे इलाज के बावजूद बचाया नहीं जा सका. ऐसे में यह समझना कठिन नहीं है कि छात्रों के लिए स्कूलों का माहौल कितना त्रासद हो चला है, शिक्षकों से उनके रिश्तों में कितनी फांकें आ गयी हैं और क्यों कई बार छात्रों को स्कूल जाना 'कूप पड़ंत' वाली स्थिति से भी घातक लगता है या क्यों गरीबी जैसे कारण आड़े न आएं, तो भी अनेक छात्र बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं.

राजस्व अभिलेखागार का आकस्मिक निरीक्षण करने पहुंची डीएम सोनिका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 18 अक्टूबर। जिलाधिकारी सोनिका ने कलेक्ट्रेट स्थित राजस्व अभिलेखागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अभिलेखों की नकल निकालने आए लोगों से वार्ता की। इस दौरान एक आवेदक द्वारा अवगत कराया गया है कि वह एक सप्ताह से कार्यालय में आ रहा है किन्तु उसको अभिलेखों की नकल नहीं मिल पाई है।

जिस पर जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि पूर्व में तैनात कार्मिक का पटल बदलने के कारण समस्या हुई है नये कार्मिक को पटल की अभी पूर्ण जानकारी नहीं है। जिलाधिकारी ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी प्रशासन को कार्यों में शिथिलता बरतने वाले कार्मिकों की कार्य क्षमता का मूल्याकंन करते हुए कार्य आंवटित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने खनन अनुभाग का निरीक्षण भी करते हुए पत्रावलीयों का भी अवलोकन किया। उन्होंने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों को चेतावनी देते हुए कार्य प्रवृत्ति में सुधार लाने के निर्देश दिए। भविष्य में शिकायत प्राप्त होने पर निर्धारित प्राविधानों के अनुरूप कार्यप्रणाली अमल में लाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य व्यैक्तिक सहायक वीरेन्द्र सिंह सहित संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में किसान नेता की हत्या: 'ड्राइवर होने' के लिए आरोपी का मजाक उड़ाया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस ने यूएस नगर जिले के काशीपुर के कुंडेश्वरी गांव में 70 वर्षीय किसान नेता और खनन व्यापारी महल सिंह की हत्या की चल रही जांच में पाया है कि इस मामले में एकमात्र नामित आरोपी के साथ फोन पर उसकी तीखी बहस हुई थी।

हरजीत सिंह जो इस समय कनाडा में है, कह रहा है, ₹तू ड्राइवर ही होगा कनाडा में, कुछ नहीं कर सकता। यह घटनाक्रम तब आया है जब महल के परिवार के सदस्यों ने 13 अक्टूबर को उसकी हत्या के दिन पुलिस को बताया था कि उसे हाल ही में कनाडा से फोन आया था जिसमें हरजीत उर्फ काले ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। उन्होंने पुलिस को यह भी सूचित किया था कि महल और हरजीत पहले एक स्टोन क्रेशर व्यवसाय में भागीदार थे, जो कुछ समय बाद उनके बीच झगड़े के कारण समाप्त हो गया।महल की कथित तौर पर दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह सुबह अपने घर के गेट के पास एक अखबार पढ़ रहा था।मामले की जानकारी रखने वाले एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹जांच के दौरान यह पाया गया कि महल की हत्या से कुछ दिन पहले

हरजीत के साथ फोन पर तीखी बहस हुई थी।

पुलिस को इस बारे में उसके परिवार के एक सदस्य ने सूचित किया था।गर्म मौखिक आदान-प्रदान के दौरान, हरजीत ने उसे जान से मारने की धमकी दी, जिस पर महल ने जवाब दिया: 'तू ड्राइवर ही होगा कनाडा में, कुछ नहीं कर सकता'। जिस पर हरजीत ने वापस गोली मार दी: 'तुझे मारवांगा माई (मैं तुम्हें मार दूंगा)', जो उसने वास्तव में किया था, जैसा कि अब तक की जांच से पता चलता है,₹ अधिकारी ने कहा। उसके शब्दों पर कार्रवाई करते हुए, हरजीत ने हत्या को अंजाम देने के लिए पंजाब के कुछ निशानेबाजों से संपर्क किया। ₹हालांकि पुलिस अभी तक फरार दो शूटरों की पूरी तरह से पहचान नहीं कर पाई है, लेकिन यह पाया गया कि महल को मारने के लिए उन्हें पंजाब से किराए पर लिया गया था। टीमें उन्हें पकड़ने के लिए मैदान में हैं।₹हत्या का मामला राज्य के उन तीन मामलों में शामिल था, जिन पर राज्य के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने स्थानीय पुलिस इकाइयों को उन्हें सुलझाने और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए तीन दिन का अल्टीमेटम दिया था। ऐसा करने में विफल रहने पर, उन्होंने कहा था कि संबंधित थाना प्रभारी और सर्कल अधिकारी को हटा दिया जाएगा और संबंधित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को ₹अपराध को नियंत्रित करने में विफल₹ माना जाएगा।विकास पर बोलते हुए, कुमार ने कहा, ₹पुलिस काशीपुर हत्याकांड को सुलझाने के करीब है।

वायरल हो रहे इस पोस्ट में देखिए कैसे एक पिता ने अपने बेटे का उड़ाया मजाक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक देसी पिता और उसकी बेटी के बीच ब्लड रिपोर्ट को लेकर एक मजेदार बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। एक देसी डैड और उनकी बेटी के बीच एक मजेदार बातचीत ने नेटिज़न्स को फूट में छोड़ दिया है। व्हाट्सएप चैट को ट्विटर पर @diimplegirll द्वारा पोस्ट किया गया था।बता दे इस व्हाट्सएप पर हुए बातचीत से देखा जा सकता है की बाप कह रहा है - ₹तेरी और तेरा दोस्त की ब्लड रिपोर्ट ले आया हूँ में.बेटी जवाब देती है -₹ ठीक है ₹बाप कहता हैं - ₹ रिपोर्ट में भी तेरी दोस्त A+ और तू B- आपको बता दे अपने शर्मा जी का बेटा/बेटी वाली लाइन तो सुनी होगी, अगर नहीं तो मैं

बता देता हूँ। शर्मा जी का बेटा देख उसकी कितनी अच्छी जॉब लग गए है या शर्मा जी की बेटी देख क्लास में फर्स्ट आए है। घर में हमेशा बच्चो को कभी न कभी तुलना की ही होगी। पर ये तो सबसे अलग वाली तुलना हो गए।

पीएम मोदी ने दिया रक्षा निर्यात में 5 अरब डॉलर का लक्ष्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने जोर देकर कहा कि यह 2025 तक रक्षा निर्यात के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम है। इसने पुष्टि की कि यह कई दक्षिण एशियाई देशों से अधिक ऑर्डर की उम्मीद कर रहा है।

मीडिया से बात करते हुए, ब्रह्मोस एयरोस्पेस के अध्यक्ष अतुल डी राणे ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक रक्षा निर्यात में 5 बिलियन अमरीकी डालर हासिल करने का लक्ष्य दिया है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि अकेले ब्रह्मोस एयरोस्पेस उस समय तक उस आंकड़े को हासिल करने में सक्षम हो जाएगा। ।₹ उन्होंने कहा, ₹हमें फिलीपींस से और ऑर्डर मिलने की उम्मीद है और हम निर्यात के लिए वियतनाम, मलेशिया और कई अन्य देशों से बात कर रहे हैं।₹रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने चालू वित्त वर्ष के छह महीनों में 8,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात दर्ज किया है और 2025 तक 35,000 करोड़ रुपये के आउटबाउंड शिपमेंट के लक्ष्य को हासिल करने का लक्ष्य है ।वह गांधीनगर में 18 से 22 अक्टूबर तक होने वाले डिफेंस एक्सपो (डिफएक्सपो) के कर्टेन रेज़र इवेंट में बोल रहे थे ।सिंह ने कहा कि भारत के रक्षा क्षेत्र ने 2014 के बाद से 30,000 करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया है जब केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार ने सत्ता संभाली थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत रक्षा

उपकरणों के डिजाइन, विकास और निर्माण के वैश्विक मानकों को हासिल करने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ।सिंह ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एक (रक्षा) आयातक से एक निर्यातक के रूप में परिवर्तनकारी यात्रा को कवर किया है।

स्वस्थ लीवर के लिए ये 5 सुपरफूड्स जो आपके लीवर को ठीक करने में मदद कर सकते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हम जितने भी प्रोटीन, कार्ब्स और वसा का सेवन करते हैं, उनका प्रबंधन लीवर द्वारा किया जाता है। शरीर की प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक कई अतिरिक्त वसा और प्रोटीन भी इसके नियंत्रण में हैं। सामान्य स्वास्थ्य के लिए लीवर का स्वास्थ्य आवश्यक है। खराब लीवर होने के कारण मेटाबोलिक समस्याएं और लीवर की बीमारी हो सकती है। लीवर खराब होने का सबसे आम कारण टाइप 2 डायबिटीज है ।हालांकि हर जोखिम कारक को नियंत्रित करना संभव नहीं हो सकता है, कुछ खाद्य पदार्थ लीवर के स्वास्थ्य का समर्थन करने में सहायता कर सकते हैं। इस लेख में, हम उन खाद्य पदार्थों को सूचीबद्ध करते हैं जिन्हें आपको अपने आहार में शामिल करना चाहिए जो आपके लीवर की मरम्मत और स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करेंगे।

खाद्य पदार्थ जो हमारे जिगर के स्वास्थ्य की मरम्मत और सुधार करते हैं:

1. अंगूर : अंगूर, विशेष रूप से लाल और बैंगनी किस्मों में कई स्वस्थ पौधों के रसायन पाए जा सकते हैं। सबसे प्रसिद्ध रेस्वेराट्रोल है, जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। अध्ययनों के अनुसार, वे सूजन को कम कर सकते हैं, क्षति को रोक सकते हैं और अन्य लाभों के साथ एंटीऑक्सीडेंट के स्तर को बढ़ा सकते हैं। अंगूर के बीज का अर्क भी मान्यता प्राप्त कर रहा है। चूंकि अंगूर के बीज का अर्क एक केंद्रित संस्करण है, इसलिए पूरे अंगूर खाने से समान परिणाम नहीं हो सकते हैं। जिगर के स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए अंगूर के बीज के अर्क के पूरक की सलाह दी जा सकती है, और अधिक शोध की आवश्यकता है।

2. हरी पत्तेदार : सब्जियांयदि आप अपने लीवर के स्वास्थ्य में सुधार करना चाहते हैं तो हरी पत्तेदार सब्जियां जिन्हें क्रूसिफेरस सब्जियों के रूप में भी जाना जाता है, आपके आहार में एक बढ़िया अतिरिक्त हो सकती हैं। ग्लूटाथियोन, पत्तेदार साग में पाया जाने वाला एक शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट, स्वस्थ जिगर समारोह का समर्थन करने में मदद करता है। अगर आप अपने लीवर को स्वस्थ रखना चाहते हैं, तो अपने आहार में सब्जियों की संख्या बढ़ा दें। आप इस तरीके में ब्रोकली का इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ शोधों के अनुसार, इस कुरकुरे सब्जी के सेवन से नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग से बचाव में मदद मिल सकती है।

3. दलिया : दलिया आपके आहार में फाइबर को बढ़ावा देने का एक आसान तरीका है। ओट्स में पाए जाने वाले खास फाइबर लीवर के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकते हैं। फाइबर पाचन का एक प्रमुख घटक है। ओट्स प्रतिरक्षा प्रणाली के मॉड्यूलेशन में सहायता करते हैं, सूजन को कम करते हैं और मधुमेह और मोटापे के खिलाफ लड़ाई में विशेष रूप से फायदेमंद हो सकते हैं। त्वरित दलिया के बजाय, जो लोग अपने आहार में जई या दलिया शामिल करना चाहते हैं, वे पूरी या स्टील-कट वाली किस्मों का विकल्प चुन सकते हैं। इंस्टेंट ओटमील में मैदा या शक्कर जैसे एडिटिव्स हो सकते हैं, जो शरीर के लिए कम स्वस्थ होते हैं।

4. जामुन : एंथोसायनिन, जो एंटीऑक्सिडेंट हैं जो जामुन को उनके विशिष्ट रंग देते हैं, ब्लूबेरी और क्रैनबेरी दोनों में पाए जाते हैं। उन्हें कई स्वास्थ्य लाभों से भी जोड़ा गया है। सेवन करने पर ये फल लीवर को नुकसान से बचाते हैं। ब्लूबेरी एंटीऑक्सिडेंट एंजाइम और प्रतिरक्षा सेल प्रतिक्रिया की गतिविधि में भी सुधार करती है।

5. कॉफी : सबसे स्वस्थ पेय में से एक है जिसे आप लीवर के कार्य का समर्थन करने के लिए सेवन कर सकते हैं, कॉफी है। पुरानी जिगर की बीमारी वाले लोगों में, कॉफी का सेवन सिरोसिस, या अपरिवर्तनीय जिगर की क्षति की संभावना को कम कर सकता है। कॉफी के सेवन से लीवर की बीमारी और सूजन में लाभकारी लाभ होता है। यह एक प्रचलित प्रकार के लीवर कैंसर होने की संभावना को कम करने में भी मदद कर सकता है। पुरानी जिगर की बीमारी वाले लोगों में भी इससे मरने का जोखिम कम था, जो लोग रोजाना कम से कम तीन कप का सेवन करते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा फायदा होता है।

भारत ने वित्त वर्ष 2022-23 के 6 महीनों में 8000 करोड़ का रक्षा निर्यात पंजीकृत किया : राजनाथ सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने चालू वित्त वर्ष के छह महीनों में 8,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात दर्ज किया और 2025 तक 35,000 करोड़ रुपये के वार्षिक निर्यात लक्ष्य को हासिल करने का लक्ष्य रखा है। वह गांधीनगर में 18 से 22 अक्टूबर तक होने वाले डेफएक्सपो के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम में बोल रहे थे ।सिंह ने कहा कि भारत के रक्षा क्षेत्र ने 2014 के बाद से 30,000 करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया जब केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई ।उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डिजाइन, विकास और विनिर्माण के वैश्विक मानकों को हासिल करने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ₹2014 से पहले, हम 900-1,300 करोड़ रुपये का निर्यात (रक्षा) हासिल करते थे। इन सभी वर्षों के बाद, हमने अब तक 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हासिल किया है। हम निर्यात लक्ष्य में 8,000-9,000 करोड़ रुपये और जोड़ सकते हैं। (इस साल)," सिंह ने कहा ।सिंह ने कहा, ₹हम वित्त वर्ष 2025 के अंत तक 35,000 करोड़ रुपये के निर्यात (वार्षिक रक्षा) हासिल करने का लक्ष्य रखते

हैं। हमने छह महीने (वित्त वर्ष 2022-23 के) में 8,000 करोड़ रुपये का निर्यात हासिल किया है ।₹गांधीनगर भारत की अब तक की सबसे बड़ी रक्षा प्रदर्शनी - डेफएक्सपो 2022 की मेजबानी मंगलवार से शुरू होने के लिए तैयार है। आयोजन के इस 12वें संस्करण का आयोजन पाथ टू प्राइड की थीम पर किया गया है। सिंह ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एक (रक्षा) आयातक से एक निर्यातक के रूप में परिवर्तनकारी यात्रा को कवर किया है। उन्होंने कहा कि डेफएक्सपो इस यात्रा को गति देगा ।रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ₹भारत जो कुछ साल पहले तक दुनिया का सबसे बड़ा (रक्षा) आयातक माना जाता था, अब 25 शीर्ष निर्यातक देशों की कतार में खड़ा है ।₹उन्होंने कहा कि डेफएक्सपो में 13,000 से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं ।रक्षा सचिव अजय कुमार ने कहा, ₹भारत ने 2021-22 में रिकॉर्ड 13,000 करोड़ रुपये की रक्षा वस्तुओं और प्रौद्योगिकी का निर्यात हासिल किया था, जिसके 2022-23 में बढ़कर 17,000 करोड़ रुपये होने की संभावना है।

आखिर किसके कंकाल हरिद्वार के सिडकुल इलाके से बरामद हुए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार के सिदकुल इलाके में पुलिस रात भर खाई में मिले युवक व युवती के कंकाल को निकालने में लगी रही. गहरी खाई और घने अंधेरे के कारण पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कंकाल बरामद किया जा चुका है । कंकालों की पहचान नहीं हो पाई है। उसे पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। दोनों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल सुरक्षित रखे जाएंगे। पुलिस को सिडकुल के डान्सो चौक के पास खाई में कंकाल पड़े होने की सूचना मिली. सूचना पर सिदकुल थाना

पुलिस मौके पर पहुंची। कंकाल एक युवक और एक लड़की के थे। लेकिन दोनों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पेड़ की टहनी से गमले की टहनियां और दुपट्टे का फंदा मिला है। दुपट्टे के फंदे पर बच्ची के बाल लटक रहे थे। जबकि शव कंकाल के रूप में सड़ी-गली हालत में पड़े थे. गहरी खाई और घने अंधेरे के कारण रात के समय कंकाल को बाहर निकालना बहुत मुश्किल था। रात भर पुलिस मौके पर रही। कंकाल सुबह साढ़े नौ बजे बरामद किए गए। सिडकुल थाना प्रभारी प्रमोद कुमार उनियाल ने बताया कि कंकालों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है. कपड़ों से किसी भी प्रकार का ऐसा कोई सामान नहीं मिला है, जिसकी पहचान की जा सके। घटना के पास से कोई मोबाइल या अन्य सामान भी नहीं मिला है। पहचान के लिए डीएनए सैंपल सुरक्षित रखे जाएंगे। ऐसे में अगर किसी की पहचान करनी है तो उसके डीएनए का मिलान किया जाएगा। दोनों शव करीब पांच माह पुराने हैं। वहीं पुलिस कई एंगल से इसकी जांच में लगी हुई है। प्रेम प्रसंग में ऑनर किलिंग से लेकर आत्महत्या तक पुलिस ने हर बिंदु पर जांच शुरू कर दी है। यह भी आशंका जताई जा रही है कि शवों को फांसी पर लटकाया गया होगा।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा